



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 129]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 29, 2000/फाल्गुन 10, 1921

No. 129]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 29, 2000/PHALGUNA 10, 1921

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 29 फरवरी, 2000

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता)
(संशोधन) विनियम, 2000

का.आ. 180(अ).—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :

I. (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 2000 कहा जा सकेगा।

(2) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

II. (1) विनियम 2 में—

(i) उप-खंड (ग) के पश्चात्, और उप-खंड (घ) के पूर्व, निम्नलिखित नया खंड (गग) अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :

“(गग) ‘ देशी आस्ति प्रबंध कंपनी ’ से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 के अधीन बोर्ड द्वारा अनुमोदित आस्ति प्रबंध कंपनी और जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (संविभाग प्रबंधक) विनियम, 1993 के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किया गया हो अभिप्रेत है। ”

- (ii) उप-खंड (घ) के पश्चात्, निम्नलिखित नया उप-खंड (घघ), अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :

“(घघ) ‘देशी संविभाग प्रबंधक’ से भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (संविभाग प्रबंधक) विनियम, 1993 के अधीन रजिस्ट्रीकृत संविभाग प्रबंधक अभिप्रेत है ।

- (iii) उप-खंड (च) में, परंतुक परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :-

“परंतु यह कि देशी आस्ति प्रबंध कंपनी या देशी संविभाग प्रबंधक जो उप-लेखा की ओर से भारत में विनिधान के लिए भारत के बाहर से जुटायी गयी या संग्रहित या लायी गयी निधियों का प्रबंध करता है, विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता समझा जायेगा ।”

- (iv) खंड (ट) में, शब्दों ‘ “उप-लेखा” में ’ के पश्चात् और शब्दों ‘भारत के बाहर स्थापित या’ के पूर्व, निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :

“विदेशी निगम या विदेशी व्यक्ति और”

- (2) विनियम 6 में,

- (i) खंड (घ) के स्पष्टीकरण में, शब्द ‘पाँच’ के लिए, शब्द ‘दस’ प्रतिस्थापित किया जायेगा ।

- (ii) विद्यमान विनियम 6, उप-विनियम (1) के रूप में पुनःसंख्यांकित किया जायेगा ।

- (iii) नया उप-विनियम (2) परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“(2) (क) देशी संविभाग प्रबंधक या देशी आस्ति प्रबंध कंपनी उप-लेखों की निधियों का प्रबंध करने के लिए विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किये जाने के लिए पात्र होगी ।

(ख) देशी संविभाग प्रबंधक या देशी आस्ति प्रबंध कंपनी विनियमों 3, 4 और 5 के निबंधनों के अनुसार आवेदन करेगी ।

(ग) देशी आस्ति प्रबंध कंपनी को या देशी संविभाग प्रबंधक को प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए बोर्ड निम्नलिखित पर विचार करेगा :

- (i) क्या आवेदक अनुमोदित आस्ति प्रबंध कंपनी या रजिस्ट्रीकृत संविभाग प्रबंधक है और कि अनुमोदन या रजिस्ट्रीकरण विधिमान्य है ।
- (ii) क्या कोई अनुशासनिक कार्यवाही ऐसे आवेदक के विरुद्ध बोर्ड के समक्ष लंबित है ।

(3) विनियम 7 में, तीसरा परंतुक परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :-

“परंतु यह और कि देशी संविभाग प्रबंधक या देशी आस्ति प्रबंध कंपनी फीस संदत्त करने की दायी नहीं होगी ।”

(4) विनियम 8 में, परंतुक परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :-

“परंतु यह कि देशी संविभाग प्रबंधक या देशी आस्ति प्रबंध कंपनी के मामले में प्रमाणपत्र और उसका प्रत्येक नवीकरण यथास्थिति, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (संविभाग प्रबंधक) विनियम, 1993 या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 के अधीन प्रदान किये गए रजिस्ट्रीकरण या अनुमोदन की विधिमान्यता से अनधिक कालावधि के लिए विधिमान्य होंगे ।

परंतु यह और कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (संविभाग प्रबंधक) विनियम, 1993 या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996 के अधीन प्रदान किया गया या अनुमोदित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, इन विनियमों के अधीन रजिस्ट्रीकरण के अवसान के पूर्व समाप्त हो जाता है, या ऐसी सत्ता का प्रमाणपत्र निलंबित किया जाता है, देशी संविभाग प्रबंधक या देशी आस्ति प्रबंध कंपनी विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में कोई क्रियाकलाप करना छोड़ देगी और निधि, प्रतिभूतियों या अभिलेखों जो विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में इसकी अभिरक्षा या नियन्त्रण में हों के विषय में बोर्ड के निदेशों के अध्वधीन होगी ।”

(5) विनियम 13 में, उप-विनियम (1) में,

(क) खंड (ख) में,

(i) शब्दों ‘सांपत्तिक निधि’ के पश्चात् निम्नलिखित शब्द परिवर्धित किये जायेंगे, अर्थात्:

“या विदेशी निगम या व्यष्टि”

(ii) परंतुक परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“परंतु यह कि अनिवासी भारतीय या भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रजिस्ट्रीकृत विदेशी निगमित निकाय उप-लेखा के रूप में या विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता के रूप में विनिधान करने का पात्र नहीं होगा ।”

(iii) खंड (ड) के पश्चात्, नया खंड (डड) परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“(डड) यदि उप-लेखा विदेशी निगम या व्यष्टि है, तो विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता, जिसके माध्यम से रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया जाता है,

पहली अनुसूची के प्ररूप क के उपाबंध ख के पैरा 3 में यथा विनिर्दिष्ट जानकारी और वचन देगा ।

(6) विनियम 15 में, -

(क) उप-विनियम (2) में, तीसरा परंतुक परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“परंतु यह और कि विदेशी निगम या व्यक्ति शत प्रतिशत ऋण मार्ग के माध्यम से विनिधान करने का पात्र नहीं होगा ।”

(ख) उप-विनियम (6) में, परंतुक परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“परंतु यह कि विदेशी निगमों या व्यष्टियों के मामले में, सभी विदेशी निगमों या उप-लेखों के रूप में एक साथ व्यष्टियों द्वारा किये गए सभी विनिधान, कंपनी जिसमें ऐसा विनिधान किया जाता है की कुल निर्गमित पूँजी के 5% से अधिक नहीं होंगे ।”

(7) पहली अनुसूची में, प्ररूप क में, उपाबंध ख में, भाग 2 के पश्चात्, नया भाग 3 परिवर्धित किया जायेगा, अर्थात् :

“3. उप-लेखों जो विदेशी निगम या व्यक्ति हैं द्वारा उपबंधित की जाने वाली अतिरिक्त जानकारी और वचनबंध -

क) निम्नलिखित ब्यौरे उप-लेखा की बाबत उपबंधित किये जाएँ :-

- i) जन्म की तारीख और स्थान / व्यष्टि का निगमन / निगमित सत्ता -
- ii) व्यष्टि की नागरिकता :-
- iii) व्यष्टि का वर्तमान पता / निगमित सत्ता का रजिस्ट्रीकृत पता दूरभाष सं., फैक्स सं., ई-मेल पता, इत्यादि सहित ।
- iv) कराधान प्राधिकरणों का नाम और पता जिनके पास कर विवरणियाँ दाखिल की जा रही हैं :-
- v) कराधान प्राधिकरणों में स्थायी खाता सं. या रजिस्ट्रीकरण सं. या पहचान पत्र सं.:-
- vi) विश्व अभिरक्षक, भारत में अभिरक्षक और भारत में अभिहित बैंक का नाम ।

ख) विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता निम्नलिखित वचनबंध प्रस्तुत करेगा :

हम वचन देते हैं कि -

- (i) आवेदक बाहरी कराधान प्राधिकरणों के अध्यक्षीन है और नियमित रूप से कर विवरणियाँ दाखिल कर रहा है ;
- (ii) आवेदक की आय ज्ञात और विधिसम्मत स्रोतों से है ;
- (iii) आवेदक अनिवासी भारतीय या भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रजिस्ट्रीकृत विदेशी निगमित निकाय नहीं है ।

हम एतद्वारा सहमत हैं और घोषणा करते हैं कि ऊपर उपबंधित जानकारी और दिये गए वचनबंध पूर्ण और सत्य हैं ।

और हम आगे भी सहमत हैं कि हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड और भारतीय रिज़र्व बैंक को उपबंधित जानकारी में किसी परिवर्तन को तुरंत सूचित करेंगे ।

विसंवि का प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता :

(विसंवि का नाम)

(हस्ताक्षर) ”

[फा. सं. भाप्रविबो/विधि/3347/2000]

पाद टिप्पण :-

देवेन्द्र राज मेहता, अध्यक्ष

1. भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 मूल विनियम, सं. भाप्रविबो/विधि/918(अ), 14 नवम्बर, 1995 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था।
2. भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) विनियम, 1995 तत्पश्चात् -
 - (क) 9 अक्टूबर, 1996 को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1996, का.आ. सं. 702(अ), द्वारा
 - (ख) 19 नवम्बर, 1996 को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1996, का.आ. सं. 799(अ), द्वारा
 - (ग) 12 फरवरी, 1997 को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) संशोधन विनियम, 1997, का.आ. सं. 105(अ), द्वारा
 - (घ) 10 जुलाई, 1997 को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) संशोधन विनियम, 1997, का.आ. सं. 495(अ), द्वारा
 - (ङ) 5 दिसम्बर, 1997 को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1997, का.आ. सं. 823(अ), द्वारा
 - (च) 20 अप्रैल, 1998 को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 333(अ), द्वारा
 - (छ) 18 मई, 1998 को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (दूसरा संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 417(अ), द्वारा
 - (ज) 30 जून, 1998 को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (तीसरा संशोधन) विनियम, 1998, का.आ. सं. 545(अ), द्वारा
 - (झ) 16 अप्रैल, 1999 को भाप्रविबो (विदेशी संस्थागत विनिधानकर्ता) (संशोधन) विनियम, 1999, का.आ. सं. 263(अ), द्वारा

संशोधित हुआ था ।

60/201/2000-2

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 29th February, 2000

Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2000

S.O. 180(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) the Board hereby makes the following regulations to further amend the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995, namely:

I. (1) These Regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 2000.

(2) They shall come into force on the day of their publication in the Official Gazette.

II. (1) In Regulation 2 -

(i) After sub-clause (c), and before sub-clause (d), the following new clause (cc) shall be inserted, namely:

"(cc) 'domestic asset management company' means an asset management company approved by the Board under the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996 and who has been granted certificate of registration under Securities and Exchange Board of India (Portfolio Managers) Regulations, 1993."

(ii) After sub-clause (d), a following new sub-clause (dd), shall be inserted, namely:

"(dd) 'domestic portfolio manager' means a portfolio manager registered under the Securities and Exchange Board of India (Portfolio Manager) Regulations, 1993."

(iii) In sub-clause (i), a proviso shall be added, namely:-

"Provided that a domestic asset management company or domestic portfolio manager who manages funds raised or collected or brought from outside India for investment in India on behalf of a sub-account, shall be deemed to be a Foreign Institutional Investor."

(iv) In clause (k), after the word 'includes' and before the words 'those institutions', the following shall be inserted, namely:

"foreign corporates or foreign individuals and".

(2) In regulation 6,

(i) In the explanation to clause (d), for the word 'five', the word 'ten' shall be substituted.

(ii) the existing regulation 6, shall be renumbered as sub-regulation (1).

(iii) a new sub-regulation (2) shall be added, namely:

"(2)(a) A domestic portfolio manager or domestic asset management company shall be eligible to be registered as a foreign institutional investor to manage the funds of sub-accounts.

(b) the domestic portfolio manager or domestic asset management company shall make an application in terms of regulations 3, 4 and 5.

(c) For the grant of certificate to a domestic asset management company or to a domestic portfolio manager the Board shall consider the following:

- (i) whether the applicant is an approved asset management company or a registered portfolio manager and that the approval or registration is valid
- (ii) whether any disciplinary proceeding is pending before the Board against such applicant.

(3) In regulation 7, a third proviso shall be added, namely:-

"Provided further that a domestic portfolio manager or domestic asset management company shall not be liable to pay fee."

(4) In regulation 8, a proviso shall be added, namely:-

"Provided that in case of domestic portfolio manager or domestic asset management company the certificate and each renewal thereof shall be valid for a period not exceeding the validity of registration or approval granted under Securities and Exchange Board of India (Portfolio Managers) Regulations, 1993 or Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, as the case may be.

Provided further that the certificate of registration granted or approved under the Securities and Exchange Board of India (Portfolio Managers) Regulations, 1993 or the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, expires before the expiry of registration under these Regulations, or the certificate of such entity is suspended, the domestic portfolio manager or domestic asset management company shall cease to carry on any activity as foreign institutional investor and shall be subject to the directions of the Board with regard to the fund, securities or records that may be in its custody or control as a foreign institutional investor."

(5) In regulation 13, in sub-regulation (1),

(a) in clause (b),

(i) after the words 'proprietary fund' the following words shall be added, namely:

"or a foreign corporate or individual"

(ii) a proviso shall be added, namely:

"Provided that a non-resident Indian or an overseas corporate body registered with Reserve Bank of India shall not be eligible to invest as sub-account or as foreign institutional investor."

(iii) after clause (e), a new clause (ee) shall be added, namely:

"(ee) In case the sub-account is a foreign corporate or individual, the foreign institutional investor, through whom the application for registration is made, shall furnish information and undertaking as specified in para 3 of Annexure B to Form A of the First Schedule.

(6) In regulation 15, -

(a) in sub-regulation (2), a third proviso shall be added, namely:

"Provided further that a foreign corporate or individual shall not be eligible to invest through the hundred percent debt route."

(b) in sub-regulation (6), a proviso shall be added, namely:

"Provided that in case of foreign corporates or individuals, all the investments made by all foreign corporates or individuals together as sub-accounts, shall not exceed 5% of the total issued capital of the company in which such investment is made."

(7) In First Schedule, in Form A, in Annexure B, after part 2, a new part 3 shall be added, namely:

"3. Additional information and undertakings to be provided by sub-accounts who are foreign corporates or individuals -

A) The following details may be provided in respect of sub-account:-

- i) Date and place of birth / incorporation of the individual / corporate entity -
- ii) Citizenship of the individual:-
- iii) Present address of the individual / registered address of corporate entity along with telephone no., fax no., e-mail address, etc.
- iv) Name and address of the taxation authorities with whom tax returns are being filed:-
- v) The Permanent Account No. or registration no. or ID No. with taxation authorities:-
- vi) Name of the global custodian, custodian in India and designated bank in India.

B) The foreign institutional investor shall submit the following undertaking:

We undertake that -

- (i) the applicant is subjected to outside taxation authorities and is regularly filing the tax returns;
- (ii) the income of the applicant is from known and legitimate sources;

- (iii) the applicant is not a non-resident Indian or an overseas body corporate registered with the Reserve Bank of India.

We hereby agree and declare that the information provided and the undertakings given above are complete and true.

And we further agree that we will immediately notify the Securities and Exchange Board of India and the Reserve Bank of India of any change in the information provided.

Authorised Signatory of FII:

(Name of FII)

(Signature) "

[F. No. SEBI/LE/3347/2000]

D.R. MEHTA, Chairman

Footnote:-

1. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 the principal regulation was published in the Gazette of India on November 14, 1995, vide No. SEBI/LE/918(E).
2. SEBI (Foreign Institutional Investors) Regulations, 1995 was subsequently amended -
 - (a) on October 9, 1996 by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1996 vide S.O.No. 702(E).
 - (b) on November 19, 1996 by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1996 vide S.O.No. 799(E).
 - (c) on February 12, 1997 by the SEBI (Foreign Institutional Investors) Amendment Regulations, 1997 vide S.O. No. 105 (E).
 - (d) on July 10, 1997 by the SEBI (Foreign Institutional Investors) Amendment Regulations, 1997 vide S.O.No. 495 (E).
 - (e) on December 5, 1997 by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Third Amendment) Regulations, 1997 vide S.O. No 823 (E).
 - (f) on April 20, 1998 by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1998 vide S.O. No. 333(E).
 - (g) on May 18, 1998 by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Second Amendment) Regulations, 1998 vide S.O.No. 417 (E).
 - (h) on June 30, 1998 by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Third Amendment) Regulations, 1998 vide S.O.No. 545 (E).
 - (i) on April 16, 1999 by the SEBI (Foreign Institutional Investors) (Amendment) Regulations, 1999, vide S.O. No. 263 (E).